जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

24 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने की "एम्पॉवरिंग फ्यूचर्स: वीमेन, एआई एंड द फ्यूचर ऑफ़ वर्क" पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय स्प्रिंग स्कूल 2025 की मेजबानी

स्प्रिंग स्कूल 2025, "एम्पॉवरिंग फ्यूचर्स: वीमेन, एआई एंड द फ्यूचर ऑफ़ वर्क" चार दिनों तक चलने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला है, जिसका समापन 20 फरवरी, 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईई) में सफलतापूर्वक हुआ। एआई और डिजिटल परिवर्तन में जेंडर गैप को समाप्त करने के उद्देश्य से इस इनिशिएटिव ने बांग्लादेश, जर्मनी, भारत और वियतनाम के छात्रों, विश्वविद्यालयों और उद्योग जगत के लीडर्स को एक साथ इकठ्ठा किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक शिक्षा, अंतःविषय सहयोग और एआई-ड्राइवन एरा में कार्य के भविष्य पर चर्चा में भाग लिया।

स्प्रिंग स्कूल जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकनोमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट(BMZ) के नेतृत्व में एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसे सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (CIE), जामिया और हम्बोल्ट इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी (HIIG), जर्मनी के साथ साझेदारी में ड्यूश गेसेलशाफ्ट फर इंटरनैशनल ज़ुसामेनार्बेट (GIZ) GmBH द्वारा कार्यान्वित किया गया है। इस गहन चार दिवसीय कार्यक्रम ने बांग्लादेश, जर्मनी, भारत और वियतनाम की गैर-तकनीकी महिला छात्रों को आवश्यक डिजिटल कौशल, अंतःविषय सहयोग अनुभव और अत्याधुनिक उद्योग अंतर्दृष्टि से परिचित कराया।

स्प्रिंग स्कूल 2025 से मुख्य बातें:

व्यावहारिक शिक्षा: प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले सत्रों के माध्यम से एआई, डिजिटल ट्रांसफोरमेशन और फ्यूचर वर्कप्लेस ट्रेंड्स का पता लगाया।

इंडस्ट्री एक्सपोजर: प्रौद्योगिकी में महिलाओं को सशक्त बनाने पर अग्रणी एआई पेशेवरों और नीति निर्माताओं द्वारा सत्र।

वास्तविक दुनिया की चुनौतियाँ: प्रतिभागियों ने एडुस्क्रम और नाउलैंड-नेक्स्टलैंड जैसी पद्धतियों का उपयोग करके एआई-संचालित वर्कप्लेस सलूशंस पर काम किया।

वैश्विक नेटवर्किंग: चार देशों के छात्रों, विश्वविद्यालयों और उद्योग के लीडर्स के बीच सहयोग।

समापन और प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में फेडरल रिपब्लिक ऑफ़ जर्मनी के इकनोमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट की डिप्टी हेड सुश्री कैरेन ब्लूम के साथ-साथ जामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद महताब आलम रिज़वी और विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने कहा, "काम का भविष्य एआई द्वारा आकार ले रहा है, और यह जरूरी है कि महिलाएं इस परिवर्तन में समान भागीदार हों।" "स्प्रिंग स्कूल 2025 ने युवा महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में नेतृत्व करने के लिए कौशल और आत्मविश्वास से सशक्त बनाया है।"

यह कार्यक्रम सस्टेनेबल डेवलपमेंट 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) के साथ जुड़ा हुआ है, जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से इन्क्लूसिव टेकनोलोजीकल एडवांसमेंट को बढ़ावा देता है।

एशिया के साथ विकास सहयोग का भविष्य (बीएमजेड सलाहकार परियोजना) एक जर्मन इनिशिएटिव है जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से जेंडर समानता, डिजिटलीकरण और एआई-ड्राइवन सलूशंस का समर्थन करती है।

CIE, JMI ने "डिजिटल स्किल्स टू सक्सीड इन एशिया (DS2S)" परियोजना के लिए विश्वविद्यालय भागीदार के रूप में GIZ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो GIZ के नेतृत्व वाली एक क्षेत्रीय परियोजना है जो महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए गैर-तकनीकी विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच एआई, डेटा और डिजिटल उद्यमिता शिक्षा को बढ़ावा देती है।

सीआईई के निदेशक प्रोफेसर रिहान खान सूरी ने इस शानदार आयोजन के संरक्षण के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया